आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 147 | उज्जैन, रविवार 20 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गाँधी सागर अभयारण्य में छोड़ेंगे 2 चीते

चीतों का बनेगा नया आशियाना

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को मंदसौर जिले के गाँधी सागर अभयारण्य में 2 चीतों को छोड़ेंगे। ÷चीता प्रोजेक्ट÷ मध्यप्रदेश की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसका उद्देश्य भारत में चीतों की संख्या बढ़ाना और उनकी प्रजाति को बचाना है। इस परियोजना के तहत मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क के साथ अब गाँधी सागर अभयारण्य में चीतों का आशियाना बनाया जा रहा है।

गाँधी सागर अभयारण्य प्रदेश का दूसरा ऐसा स्थान होगा, जहाँ चीतों को बसाया जा रहा है। यह वन्य-जीव संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। साथ ही वन्य-जीव संरक्षण प्रेमियों और देशी-विदेशी पर्यटकों के लिये भी यह उत्साह का अवसर होगा। प्रदेश

में चीतों की संख्या बढ़ाने के लक्ष्य के तहत दक्षिण अफ्रीका, केन्या और बोत्सवाना से चीते लाकर उन्हें मध्यप्रदेश के जंगलों में बसाया जा रहा है। श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में वर्तमान में 26 चीते हैं। बोत्सवाना से 8 चीते लाने की योजना है। मई-2025 तक 4 चीते लाये जायेंगे। इसके बाद 4 चीते और लाये जायेंगे। दक्षिण अफ्रीका और केन्या से भी चीते लाने की योजना प्रस्तावित है। अंतर्राज्यीय चीता संरक्षण परिसर की स्थापना के लिये मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच सैद्धांतिक सहमति हो चुकी है। दोनों राज्य मिलकर अंतर्राज्यीय चीता संरक्षण परिसर बनायेंगे। चीता परियोजना पर 112 करोड़ रुपये व्यय किये जा चुके हैं, जिसमें से 67 प्रतिशत राशि मध्यप्रदेश में चीता पुनर्वास पर व्यय हुई है। भारत और लगभग सम्पूर्ण एशिया महाद्वीप से विलुप्त हो चुके चीतों का पुनर्वास कर राज्य सरकार प्रकृति से प्रगति और प्रगति से प्रकृति के संरक्षण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।

गाँधी सागर पूर्वी मध्यप्रदेश में स्थित एक वन्य-जीव अभयारण्य है। यह अभयारण्य प्रदेश के मंदसौर और नीमच जिले में फैला हुआ है। इस अभयारण्य में सलाई, करधई, धौड़ा, तेंदू, पलाश जैसे पेड़ हैं। यह विश्व प्रसिद्ध चतुर्भुज नाला का हिस्सा है। रॉक सेंटर भी इसी अभयारण्य का हिस्सा है। इस अभयारण्य को वर्ष 1974 में अधिसूचित किया गया था और वर्ष 1984 में अभयारण्य बनाया गया।

पाक और चीन सीमा पर घुसपैठ और तस्करी होगी नाकाम, लेजर एंटी-ड्रोन सिस्टम की बढ़ेगी संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तानी सेना के ड्रोनों को नष्ट किए जाने में मिली सफलता के बाद भारतीय सेना नौ और लेजर आधारित एंटी-ड्रोन सिस्टम खरीदने की तैयारी में है।

डीआरडीओ द्वारा विकसित किए गए ड्रोन सिस्टम- भारतीय सेना पहले ही विशेषरूप से पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते ड्रोन के खतरे को लेकर डीआरडीओ द्वारा विकसित किए गए सात इंटिग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम तैनात कर चुकी है।

पाकिस्तानी सेना के ड्रोन को हवा में नष्ट करने का माद्दा अधिकारियों के अनुसार, जम्मू क्षेत्र की पीर पंजाल श्रृंखला में सेना की एयर डिफेंस यूनिट ने लेजर आधारित एंटी-ड्रोन सिस्टम से हाल ही में पाकिस्तानी सेना के ड्रोन को हवा में नष्ट करते हुए गिरा दिया था।

पाकिस्तानी से आने वाले ये ड्रोन चीन के होते हैं। पड़ोसी देश अक्सर इनका इस्तेमाल हथियारों और नशीली दवाओं की तस्करी के अलावा एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निगरानी के लिए करता है।

आतंकरोधी और घुसपैठ रोकने की क्षमता मजबूत होगी- रक्षा अधिकारियों ने बताया कि इन नए लेजर एंटी-ड्रोन सिस्टम को रक्षा मंत्रालय द्वारा स्वीकृत किए गए आपातकालीन अधिग्रहण योजना के तहत खरीदा जा रहा है।

पूर्व अंडरवर्ल्ड डॉन मुथप्पा राय के बेटे पर जानलेवा हमला, चलती गाड़ी पर हुई फायरिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व अंडरवर्ल्ड डॉन मुथप्पा राय के बेटे रिकी राय पर किसी ने जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने रिकी राय की गाड़ी को निशाना बनाया और ताबड़तोड़ फायरिंग के बाद मौके से फरार हो गए। इस हमले में रिकी राय और उनका ड्राइवर घायल हैं, दोनों को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

बेंगलुरु जा रहे थे रिकी- यह घटना शुक्रवार की रात 1 बजे की बताई जा रही है। रिकी कर्नाटक के बिदादी में रहते हैं। बीती रात वो अपनी काले रंग की कार से बेंगलुरु के लिए निकल रहे थे। तभी कुछ लोगों ने उनकी कार पर फायरिंग शुरू कर दी। रिकी और उनके ड्राइवर को गंभीर चोट आई है। दोनों को बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती किया गया है।

पुलिस ने दी जानकारी- पुलिस के अनुसार कुछ अज्ञात लोगों ने गाड़ी पर फायरिंग की। हमलावर रिकी को नुकसान पहुंचाना चाहते थे। हालांकि उनका निशाना चूक गया और गोली गाड़ी की सीट को चीरते हुए बाहर निकल गई। पुलिस मामला दर्ज करके कार्रवाई कर रही है।

हेलीकॉप्टर संकट से जूझ रहीं सेनाएं, ध्रुव की उड़ान पर रोक; चेतक व चीता की दुर्घटनाओं ने बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों भारतीय सेनाओं को हेलीकॉप्टर संकट से जूझना पड़ रहा है। चीता और चेतक हेलीकॉप्टरों में उच्च दुर्घटना दर का सेनाएं पहले से ही सामना कर रही हैं। अब लगभग 330 ध्रुव एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर के ग्राउंड होने के कारण सेनाओं की तैयारियों पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इस वजह से सैन्य अभियान व अग्रिम क्षेत्रों में टोही मिशन प्रभावित हुए हैं।

किसके पास कितने हेलीकॉप्टर- एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर का सबसे बड़ा बेड़ा थलसेना के पास है। अभी सेना के पास 180 से अधिक एएलएच हेलीकॉप्टर हैं। इनमें से 60 हथियारबंद रुद्र हेलीकॉप्टर हैं। युसेना के पास 75, नौसेना के पास 24 और तटरक्षक बलों के पास 19 ऐसे हेलीकॉप्टर हैं।

इन हेलीकॉप्टरों का निर्माण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स ने किया है। पहली बार साल 2002 में इन्हें सेना में शामिल किया गया था।

सैन्य अभियानों में आ रही दिक्कत - टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक चीन और पाकिस्तान सीमा पर सशस्त्र बल खोज, विजिलेंस, टोही मिशन और बचाव अभियान के लिए इन हेलीकॉप्टरों पर काफी निर्भर हैं। मगर पिछले तीन महीने से इन अभियानों में भारी रुकावट देखने को मिल रही है।

इसका असर एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर के पायलटों पर पड़ रहा है। उन्हें अब केवल सिमुलेटर पर अभ्यास करना पड़ रहा है।

गुजरात की घटना बनी वजह - इसी साल 5 जनवरी को गुजरात के पोरबंदर में तटरक्षक बल का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना का शिकार हुआ था।

दिल्ली में बारिश होने से मिली गर्मी से राहत, यूपी में आंधी-तूफान ने मचाई तबाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कई इलाकों में शुक्रवार शाम को तेज हवाओं के साथ बारिश हुई, जिससे गर्मी से राहत मिली। आंकड़ों के अनुसार, नरेला, पीतमपुरा और मयूर विहार सहित मौसम निगरानी स्टेशनों ने 0.5 मिमी बारिश दर्ज की। मौसम विभाग के मुताबिक इस हफ्ते यूपी समेत दिल्ली हरियाणा और पंजाब आदि राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश होती रहेगी।

दिल्ली में बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट- मौसम विभाग ने कहा कि दिल्ली में आज भी बादल छाए रहेंगे। वहीं दिल्ली में बहुत हल्की बारिश हो रही है और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। शहर भर में इसी तरह की तीव्रता के साथ हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट आई।

आईएमडी के शनिवार के पूर्वानुमान के अनुसार, आकाश में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और शाम तक हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना है। इसके साथ ही तूफान, बिजली और धूल भरी आंधी के साथ 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाएं चलने का भी पूर्वानुमान है।

यूपी के कई जिलों में आंधी-तूफान, बिजली आपूर्ति ठप- शनिवार को उत्तर प्रदेश के 40 से अधिक जिलों में आंधी-पानी और वज्रपात का प्रकोप देखने को मिला। शनिवार को यूपी के कई जिलों में चले आंधी की वजह से बिजली आपूर्ति ठप हो गई।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अब छलांग लगाने का समय...

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा है कि आधुनिकीकरण के लिए तेज गति से काम करने की जरूरत होती है, जबकि स्वदेशीकरण में समय लगेगा। अत- इस विरोधाभास के बीच संतुलन बैठाना अहम है।

जनरल पांडे ने इस बात पर भी जोर दिया कि रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अब धीरे-धीरे कदम उठाने के बजाय छलांग लगाने का समय आ गया है।

भारत की ताकत के आगे झुके पाकिस्तान-श्रीलंका, त्रिंकोमली में होने नौसैनिक अभ्यास को किया रद

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्रिंकोमली के सामरिक जलक्षेत्र में पाकिस्तान और श्रीलंका की नौसेनाओं के बीच सैन्य अभ्यास की योजना को भारत की आपत्ति के बाद रद कर दिया गया है। नई दिल्ली ने प्रस्तावित नौसैनिक अभ्यास के संबंध में कोलंबो को अपनी चिंताएं बताई थीं।

श्रीलंका- पाकिस्तान की नौसेनाओं ने यहां पर सैन्य अभ्यास करने की योजना बनाई थी- गौरतलब है कि श्रीलंका के उत्तरपूर्वी तट पर स्थित त्रिंकोमली को हिंद महासागर क्षेत्र में, विशेष रूप से भारत के समुद्री सुरक्षा हितों के लिए महत्वपूर्ण है। सूत्रों ने बताया कि श्रीलंका- पाकिस्तान की नौसेनाओं ने त्रिंकोमली तट पर सैन्य अभ्यास करने की योजना बनाई थी।

भारत द्वारा श्रीलंका को इस अभ्यास पर अपनी आशंकाओं से अवगत कराने के बाद यह योजना आगे नहीं बढ़ सकी। संयुक्त अभ्यास की योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कोलंबो यात्रा

से कुछ सप्ताह पहले बनाई गई थी। इस बारे में श्रीलंका या पाकिस्तान की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

त्रिंकोमली दुनिया के सबसे बेहतरीन प्राकृतिक बंदरगाहों में से एक - गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत त्रिंकोमाली के ऊर्जा बुनियादी ढांचे के विकास में श्रीलंका को सहायता दे रहा है। त्रिंकोमली दुनिया के सबसे बेहतरीन प्राकृतिक बंदरगाहों में से एक है।

इस माह पीएम मोदी की कोलंबो यात्रा के दौरान, भारत, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने त्रिंकोमली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए महत्वाकांक्षी समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य श्रीलंका को ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने और उसके आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद करना है।

भारत और श्रीलंका ने सैन्य सहयोग के लिए रक्षा समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं। श्रीलंका पर चीन के प्रभाव बढ़ाने के प्रयासों से उत्पन्न चिंताओं के बीच भारत, श्रीलंका के साथ अपने समग्र सामरिक संबंधों को मजबूत कर रहा है।

चीनी युद्धपोत के आने पर भी नई दिल्ली ने चिंता जताई- तीन वर्ष पहले भारत ने श्रीलंका को डोर्नियर समुद्री निगरानी विमान सौंपा था। अगस्त 2022 में हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी मिसाइल और उपग्रह ट्रैकिंग जहाज युआन वांग के आने से भारत और श्रीलंका के बीच कूटनीतिक विवाद शुरू हो गया है।

अमेरिका के पूर्व सीनेटर रॉबर्ट एफ कैनेडी की हत्या का खुलेगा राज, ट्रंप ने 10 हजार पन्नों का रिकॉर्ड किया जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व सीनेटर रॉबर्ट एफ कैनेडी की हत्या कैसे और किसने की, ये अभी भी राज बना हुआ है। डोनाल्ड ट्रंप ने जब दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का पद संभाला था तो उन्होंने रॉबर्ट कैनेडी की हत्या से संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक करने का वादा किया था।

कब हुई थी कैनेडी की मौत- ट्रंप प्रशासन ने अपना वादा पूरा करते हुए अब कैनेडी की हत्या से जुड़े 10 हजार पन्नों का दस्तावेज सार्वजनिक किया है। बता दें, कैनेडी की हत्या साल 1968 में हुई थी, जिसका अभी तक कोई खुलासा नहीं हो सका। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के अनुसार राष्ट्रीय रहस्यों के खुलासे का सिलसिला लगातार जारी है। अमेरिकी राष्ट्रीय अभिलेखागार एवं अभिलेख प्रशासन ने अपनी सार्वजिक वेबसाइट पर इन पन्नों से संबंधित लगभग 229 फाइल पोस्ट की है। रॉबर्ट एफ कैनेडी की हत्या से जुड़ी कई फाइल पहले ही जारी कर दी गई थी। लेकिन अन्य का डिजिटलीकरण नहीं किया गया था।

तुलसी गबार्ड ने दिया बड़ा बयान- अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने इन फाइलों के सार्वजनिक होने के बाद कहा, ÷सीनेटर रॉबर्ट एफ कैनेडी की दुखद हत्या के लगभग 60 साल बाद अमेरिकी लोगों को पहली बार राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में संघीय सरकार की जांच की समीक्षा का अवसर मिलेगा।

तुलसी गबार्ड ने कहा, फाइलों का सार्वजनिक होना लंबे समय से प्रतीक्षित सच पर प्रकाश डालता है। रिपब्लिकन पार्टी के नेता ट्रंप ने पारदर्शिता के नाम पर बड़े लोगों की हत्याओं और जांच से संबंधित दस्तावेजों को जारी करने का समर्थन किया है।

रहस्यों से उठेगा पर्दा- राष्ट्रीय खुफिया निदेशक गबार्ड ने कहा कि एक समय छिपाकर रखी गई फाइलों को ट्रंप प्रशासन द्वारा जारी किए जाने से सीआईए और एफबीआई जैसी संस्थानों के निष्कर्षों और कार्यों के बारे में ज्यादा सार्वजनिक जांच और पूछताछ का द्वार खुल गया है।

अमेरिका में वीजा रद होने वाले स्टूडेंट्स में 50 फीसद भारतीय, दूसरे नंबर पर है हमारा पड़ोसी; जारी हुए सख्त दिशा-निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी सरकार ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर कार्रवाई की थी। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने छात्र वीज़ा धारकों की पहचान करने और उनकी जांच करने के लिए कैच एंड रिवोक कार्यक्रम की घोषणा की थी, जिसमें यहूदी-विरोधी या फिलिस्तीनियों और हमास के समर्थन के सबूतों के लिए उनके सोशल मीडिया पर निगरानी रखना भी शामिल था।

इस कार्रवाई के बाद बहुत सारे अंतरराष्ट्रीय छात्रों का वीजा रद किया गया है और इसमें सबसे ज्यादा भारतीय छात्र शामिल हैं। अमेरिकन लॉयर्स एसोसिएशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, संगठन द्वारा हाल ही में एकत्र किए गए 327 वीजा निरस्तीकरणों में से आधे भारतीय छात्रों के हैं। 50 प्रतिशत छात्र हैं भारतीय

AILA की एक रिपोर्ट, जिसका टाइटल है अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के खिलाफ आव्रजन प्रवर्तन कार्रवाई का दायरा, इसमें बताया गया है कि वीजा रद होने वाले छात्रों की लिस्ट में 50 प्रतिशत छात्र भारत से थे, जबकि 14 प्रतिशत चीन से थे। डेटा में अन्य देशों में दक्षिण कोरिया, नेपाल और बांग्लादेश शामिल हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग और आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन पिछले चार महीनों से विदेशी छात्रों के डेटा जिसमें उनकी सक्रियता भी शामिल है उसकी जांच कर रहे हैं। कुछ लोगों का आरोप है कि यह जांच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके की जाती है, जिसके कारण बिना किसी आपराधिक इतिहास वाले या कैम्पस विरोध प्रदर्शनों से जुड़े छात्रों को गलत तरीके से निशाना बनाया जा सकता है।

भारत आएंगे एलन मस्क, पीएम मोदी से फोन पर बातचीत के बाद बोले- ये मेरे लिए सम्मान की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने शनिवार को घोषणा की कि वह इस साल के अंत में भारत यात्रा करने के लिए उत्सुक हैं। यह बयान उनकी शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत के बाद आया है। इस बातचीत ने दोनों नेताओं के बीच प्रौद्योगिकी और नवाचार में सहयोग को बढ़ावा देने पर निरंतर संवाद को दर्शाया।

मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, पीएम मोदी से बात करना सम्मान की बात थी। मैं इस साल के आखिर में भारत आने के लिए उत्सुक हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर अपनी बातचीत का ब्योरा साझा किया। उन्होंने लिखा, ÷एलन मस्क से बात की और कई मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी मुलाकात के दौरान शामिल विषय भी थे। हमने प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बातचीत इस साल फरवरी में वाशिंगटन डीसी के ब्लेयर हाउस में हुई उनकी व्यक्तिगत मुलाकात पर आधारित है।

यूक्रेन युद्ध का विरोध करना युवती को पड़ा भारी, रूसी अदालत ने सुनाई जेल की सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस की एक अदालत ने यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वाली दरिया कोजीरेवा को दो वर्ष आठ महीने की जेल की सजा सुनाई है। कोजीरेवा 19वीं सदी की कविता और भित्तिचित्रों के माध्यम से युद्ध का विरोध कर रही थी।

रूसी सेना को बदनाम करने का दोषी पाया- 19 वर्षीय कोजीरेवा को रूसी सेना को बदनाम करने का दोषी पाया गया, क्योंकि उसने चौराहे पर यूक्रेनी कविता की पंक्तियों वाला पोस्टर लगाया था, हालांकि कोजीरेवा ने खुद को निर्दोष बताया तथा अपने विरुद्ध दर्ज मामले को मनगढ़ंत मामला करार दिया।

रूसी मानवाधिकार समूह मेमोरियल के अनुसार, कोजीरेवा उन 234 लोगों में से एक हैं जिन्हें रूस में युद्ध-विरोधी रुख के कारण जेल में डाला गया है।

कांगो में आग लगने के बाद नदी में पलटी नाव, 148 लोगों की मौत; 500 लोग थे सवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में मोटर से चलने वाली एक लकड़ी की नाव में आग लग गई। इस घटना के बाद नाव कांगो नदी में पलट गई, जिसमें कम से कम 148 लोगों की मौत हो गई।

कैसे हुई घटना- स्थानीय अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्टों में शुक्रवार को बताया गया कि नाव महिलाओं और बच्चों सहित 500 यात्रियों को ले जा रही थी, जब मंगलवार को देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित कांगो नदी में यह पलट गई। बता दें, कांगो में नौका दुर्घटनाएं आम बात हैं। कांगो में पुराने लकड़ी के जहाज गांवों के बीच परिवहन का मुख्य साधन हैं और अक्सर उनमें क्षमता से अधिक सामान भरा होता है। इस वजह से कांगो में नाव दुर्घटनाएं काफी ज्यादा होती है।

सैकड़ों लोग हैं लापता - रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों का अनुमान है कि सैकड़ों लोग अभी भी लापता हैं। पहले मृतकों की संख्या 50 बताई गई थी। एचबी कोंगोलो नामक नाव में मबंडाका शहर के पास आग लग गई, यह नाव मटनकुमु बंदरगाह से बोलोम्बा क्षेत्र के लिए रवाना हुई थी।

स्काई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 100 बचे लोगों को स्थानीय टाउन हॉल में एक अस्थायी आश्रय में ले जाया गया। जबकि जलने से घायल लोगों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

नदी आयुक्त कॉम्पीटेंट लोयोको ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि यह घटना तब हुई जब एक महिला जहाज पर खाना बना रही थी, तभी आग लग गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि तैरने में असमर्थ होने के कारण पानी में कूदने से महिलाओं और बच्चों सहित कई यात्रियों की मौत हो गई।

जेलेंस्की को झटका और पुतिन को गिफ्ट, क्रीमिया पर रूसी कब्जे को मान्यता देने की तैयारी में ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को बड़ा झटका देने की तैयारी कर ली है। यूक्रेन के साथ शांति समझौते के तहत अमेरिका क्रीमिया पर रूसी नियंत्रण को मान्यता देने को तैयार है। युद्ध विराम के प्रस्तावित रूपरेखा से परिचित एक अधिकारी ने यह जानकारी साझा की।

2014 में रूस ने किया था कब्जा- रूस ने साल 2014 में क्रीमिया पर अपना कब्जा किया था। उससे पहले यह हिस्सा यूक्रेन के पास था। जेलेंस्की कई मौकों पर क्रीमिया को रूस को सौंपने से इनकार कर चुके हैं। डोनाल्ड ट्रंप हर हाल में यूक्रेन और रूस के बीच शांति समझौता चाहते हैं।

शांति प्रस्ताव में दोनों देशों के बीच तत्काल युद्ध विराम शामिल है। रूपरेखा को गुरुवार को पेरिस में यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों के साथ साझा भी किया गया।

रुबियो ने की लावरोव से बातचीत - सीएनएन ने अपने सूत्रों के हवाले से जानकारी दी कि इस प्रस्ताव के बारे में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच फोन पर बात भी हुई। प्रस्ताव के कुछ हिस्सों पर अभी चर्चा जारी है। अमेरिका अगले हफ्ते लंदन में यूरोप और यूक्रेन के साथ इस पर बात करेगा।

अमेरिका ने गुरुवार को पेरिस में अपने सहयोगी देशों के सामने शांति प्रस्ताव की रुपरेखा पेश की। इसमें युद्ध को समाप्त करने और स्थायी युद्धविराम की स्थिति में मास्को पर प्रतिबंधों में ढील देने की शर्त शामिल है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार जारी, अब हिंदू नेता का अपहरण कर बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर अत्याचार का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक ताजा घटना में दिनाजपुर जिले में हिंदू नेता भबेश चंद्र का अपहरण कर लिया गया और बेरहमी से पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी गई।

हिंदू प्रधानाध्यापक को त्यागपत्र देने के लिए मजबूर किया- वहीं, एक अन्य घटना में हिंदू प्रधानाध्यापक कांतिलाल आचार्य को बंधक बनाकर उन्हें अपने पद से त्यागपत्र देने के लिए मजबूर कर दिया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, भबेश चंद्र अपने इलाके में हिंदू समुदाय के एक प्रमुख नेता थे। वह बांग्लादेश पूजा उत्सव परिषद की बिराल इकाई के उपाध्यक्ष भी थे।

दो मोटरसाइकिलों आए लोगों ने अपहरण कर लिया- उनकी पत्नी शांतना राय ने कहा कि गुरुवार को चार लोग दो मोटरसाइकिलों पर आए और भबेश का उनके घर से अपहरण कर लिया। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने हमलावरों को भबेश को नरबारी गांव ले जाते हुए देखा, जहां उन्हें बेरहमी से पीटा गया। उसी दिन हमलावरों ने भबेश को एक वैन में लाकर उनके घर पर छोड़ दिया। उस समय वह बेहोश थे। उन्हें तुरंत बिराल उपजिला स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। इसके बाद उन्हें दिनाजपुर मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मलयालम एक्टर शाइन टॉम चाको गिरफ्तार, ड्रग्स केस में पुलिस ने लिया एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के मशहूर मलयालम अभिनेता शाइन टॉम चाको को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शाइन पर ड्रग्स लेने और नशीले पदार्थों का सेवन करने का आरोप है। केरल के एर्नाकुलम टाउन के नॉर्थ पुलिस स्टेशन में चार घंटे तक उनसे पूछताछ की गई, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

होटल छापेमारी में हुए थे फरार- शाइन टॉम चाको को 2015 में ही एक ड्रग केस में गिरफ्तार किया गया था। इस साल की शुरुआत में उन्हें रिहा कर दिया गया। हालांकि बुधवार यानी 16 अप्रैल की देर रात पुलिस ने कोच्चि के एक होटल में छापेमारी की। इस दौरान शाइन को वहां से भागते हुए देखा गया था। होटल में छापेमारी के बाद से पुलिस शाइन की तलाश में थी। पुलिस ने समन जारी करते हुए आज यानी शनिवार की सुबह 10 बजे शाइन को पेश होने क आदेश दिया। लगभग चार घंटे की पूछताछ के बाद पुलिस ने शाइन को गिरफ्तार कर लिया। केरल पुलिस ने शाइन के खिलाफ ड्रग केस में NDPS के तहत मामला दर्ज किया है।

क्या है पूरा मामला- 16 अप्रैल की रात को शाइन एक होटल में मौजूद थे। पुलिस ने अचानक होटल पर छापेमारी की। इस दौरान शाइन मौके से फरार हो गए। हालांकि बाद में मामले पर सफाई पेश करते हुए शाइन ने कहा कि उन्होंने पुलिस को पहचाना नहीं। उन्हें लगा शायद कुछ बदमाश उनका पीछा कर रहे हैं। इसलिए वो होटल से भाग निकले। ऐसे में पुलिस ने आज उन्हें थाने में पेश होने का आदेश दिया था।

मलयाली एक्ट्रेस ने लगाया था आरोप- शाइन टॉम चाको की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं। मलयालम फिल्म की एक्ट्रेस विंसी अलोशियस ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाते हुए ड्रग्स के नशे में छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। विंसी ने इसकी शिकायत फिल्म चैंबर में दर्ज की है।

भारतीय कंपनियों का चीन में स्वागत, व्यापार घाटा भी कम करने को तैयार

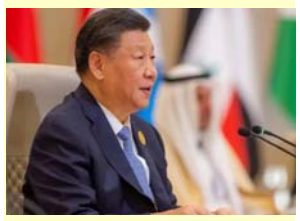

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच व्यापार घाटा लगभग 100 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। भारत की कोशिश है कि इसे कैसे कम किया जाए। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ से परेशान चीन ने ही भारत के सामने एक बड़ा ऑफर पेश किया है। चीन अब भारत के साथ व्यापार घाटे को कम करने को तैयार है। उसने भारत के साथ मिलकर काम करने की इच्छा व्यक्त की है।

भारत से मजबूत संबंध चाहता है चीन- टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए अपने पहले इंटरव्यू में चीन के राजदूत जू फेइहोंग ने कहा कि चीन भारत के साथ मजबूत संबंध चाहता है। हम भारत के व्यापार घाटे को भी कम करने को तैयार हैं। चीन में भारतीय निर्यात को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि भारत में भी चीनी कंपनियों को उचित माहौल दिया जाएगा। जू फेइहोंग ने कहा कि प्रीमियम भारतीय प्रोडक्ट का चीनी बाजार में स्वागत है।

दोनों देशों को होगा लाभ- चीनी राजदूत ने आगे कहा कि दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंध लाभदायक होंगे। व्यापार घाटे पर कहा कि चीन ने कभी जानबूझकर व्यापार अधिशेष को नहीं बढ़ाया है।

बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाओ...,ममता के खिलाफ मिथुन चक्रवर्ती ने खोला मोर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन अधिनियम पास होने के बाद से पश्चिम बंगाल में हालात बेकाबू हो चुके हैं। मुर्शिदाबाद समेत कई जिलों से हिंसा की दिल दहलाने वाली तस्वीर सामने आ रही है। इसी कड़ी में बॉलीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। मीडिया से बातचीत के दौरान मिथुन चक्रवर्ती ने गृह मंत्री अमित शाह से गुजारिश की है कि पश्चिम बंगाल में 2 महीने के लिए सेना तैनात की जाए। इसके बिना राज्य में कभी निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकेंगे।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि मैं केंद्र सरकार से कई बार बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की विनती कर चुका हूं। अब फिर से कर रहा हूं। राष्ट्रपति शासन नहीं भी लगता है तो कम से कम चुनाव के दौरान 2 महीने के लिए पश्चिम बंगाल में सेना की तैनाती जरूरी है।

पश्चिम बंगाल में सेना क्यों जरूरी- मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव की तारीखों का एलान होने के बाद से लेकर रिजल्ट आने के 1 महीने बाद तक बंगाल में सेना तैनात रहनी चाहिए। सेना की मौजूदगी में ही यहां फ्री और फेयर इलेक्शन मुमकिन है। वहीं, अगर नतीजे बीजेपी के पक्ष में आते हैं तो सड़कों पर और भी ज्यादा कत्ल-ए-आम होगा, जिस पर काबू पाने के लिए सेना की मौजूदगी आवश्यक है।

बांग्लादेश में हिंदू नेता की हत्या, भारत ने जताई कड़ी नाराजगी, मोहम्मद यूनुस को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ लगातार अत्याचार किए जा रहे हैं। इस बीच उत्तरी बांग्लादेश में एक प्रमुख हिंदू अल्पसंख्यक नेता भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और हत्या की घटना सामने आई है।

इस घटना पर भारत ने गहरा दुख जताया है। इसके साथ ही बांग्लादेश की यूनुस सरकार को खरी-खरी भी सुनाई गई है। नई दिल्ली ने इस घटना की निंदा की और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेशी अंतरिम सरकार पर अपने अल्पसंख्यक समुदायों की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

विदेश मंत्रालय ने जारी किया बयान- बांग्लादेश में घटित इस घटना को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्वीट करते हुए लिखा कि हमने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और उनकी नृशंस हत्या पर दुख व्यक्त किया है।

उन्होंने आगे लिखा कि यह हत्या अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न का अनुसरण करती है, जबकि पिछली ऐसी घटनाओं के अपराधी दंड से बचकर घूमते हैं। हम इस घटना की निंदा करते हैं और एक बार फिर अंतरिम सरकार को याद दिलाते हैं कि वह बिना किसी बहाने या भेदभाव के हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी को पूरा करे।

हिंदू नेता की पीट-पीट कर हत्या- बांग्लादेश में दिनाजपुर जिले में हिंदू नेता भाबेश चंद्र का अपहरण कर लिया गया और बेरहमी से पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी गई। भाबेश चंद्र अपने इलाके में हिंदू समुदाय के एक प्रमुख नेता थे। वह बांग्लादेश पूजा उत्सव परिषद की बिराल इकाई के उपाध्यक्ष भी थे।

उनकी पत्नी शांतना राय ने कहा कि गुरुवार को चार लोग दो मोटरसाइकिलों पर आए और भबेश का उनके घर से अपहरण कर लिया। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने हमलावरों को भबेश को नरबारी गांव ले जाते हुए देखा, जहां उन्हें बेरहमी से पीटा गया।

नौ मई को 6 घंटे के लिए बंद रहेगा मुंबई एयरपोर्ट, सामने आई ये बड़ी वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को देश के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट्स में गिना जाता है। हर घंटे यहां कई फ्लाइट्स लैंड और टेकऑफ करती हैं। मगर CSMIA को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है। 9 मई को यह एयरपोर्ट 6 घंटों के लिए बंद रहेगा। मेंटेनेंस के चलते यह फैसला लिया गया है।

दरअसल हर साल मानसून आने से पहले मुंबई एयरपोर्ट की मेंटेनेंस की जाती है। मानसून के दौरान मुंबई में भारी बारिश और बाढ़ देखने को मिलती है। ऐसे में मानसून आने से पहले इसका रख-रखाव होता है।

6 महीने पहले जारी हुआ नोटिस- निजी एयरपोर्ट ऑपरेटर MIAL ने आज यानी शनिवार को इसकी जानकारी दीहै। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने बताया कि एयरपोर्ट से जुड़े सभी स्टाफ, कर्मचारियों और स्टेकहोल्डर्स को छह महीने पहले ही नोटिस जारी करते हुए इसकी सूचना दी जा चुकी है। 9 मई को मुंबई एयरपोर्ट की मेंटेनेंस होगी। यह काम 6 घंटे तक चलेगा।

11 से 5 बजे तक रहेगा बंद- मेंटेनेंस के दौरान कोई भी देश-विदेश की किसी फ्लाइट को एयरपोर्ट पर आने की अनुमति नहीं मिलेगी। हालांकि यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए फ्लाइट्स का समय पुनर्निर्धारित कर दिया गया है। 9 मई को सुबह 11 बजे से शाम के 5 बजे तक एयरपोर्ट पूरी तरह से बंद रहेगा।

मेंटेनेंस की प्रक्रिया- इन 6 घंटों के दौरान एयरपोर्ट के प्राइमरी रनवे (09/27) और सेकेंड्री रनवे (14/32) की सफाई की जाएगी। साथ ही इनकी मेंटेनेंस होगी।

कानून यदि सुप्रीम कोर्ट ही बनाएगा तो संसद भवन बंद कर देना चाहिए, निशिकांत दुबे ने क्यों कही ये बात?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन कानून का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार से सात दिनों में जवाब मांगा है। इस बीच झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कानून यदि सुप्रीम कोर्ट ही बनाएगा तो संसद भवन बंद कर देना चाहिए।

रिजिजू ने कही थी ये बात- निशिकांत दुबे से पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दी थीं। रिजिजू ने कहा था कि विधायिका और न्यायपालिका को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए।कल सरकार न्यायपालिका पर दखल देती है तो अच्छा नहीं होगा। शक्तियों का बंटवारा अच्छी तरह से परिभाषित है। गुरुवार को वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम कोर्ट में लगभग एक घंटे तक सुनवाई हुई थी।

सात दिन में केंद्र को दाखिल करना होगा जवाब- कोर्ट ने केंद्र को सात दिन के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा। केंद्र के जवाब के बाद याचिकाकर्ताओं को पांच दिन में अपना जवाब दाखिल करना होगा। मामले की अगली सुनवाई 5 मई को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून के कुछ प्राविधानों पर आपत्ति जताई है। हालांकि उसने अगली सुनवाई तक वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों के प्रवेश, वक्फ बाय यूजर संपत्तियों में किसी तरह के बदलाव पर रोक लगा दी है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ भी कर चुके टिप्पणी - इससे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को कहा था कि भारत में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती जहां न्यायपालिका राष्ट्रपति को निर्देश दे। संविधान का अनुच्छेद 142 न्यायपालिका के लिए लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ परमाणु मिसाइल बन गया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण सप्तमी

संपादकीय

वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति सभ्यता व कला भारत की प्रतिष्ठित धरोहर है

वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति सभ्यता व कला भारत की प्रतिष्ठित धरोहर है,यह भारतीय दर्शन कलात्मक व सभ्यता के स्तंभ हैं। मेरा मानना है कि जहां भी संस्कृति सभ्यता आध्यात्मिकता व मानवीय भावों की चर्चा होगी तो भारत का नाम जरुर लिया जाएगा, क्योंकि यह सभी भारत की जड़ों में है। भारत की ऐसी धरोहरें ही भारतिय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर की समृद्धि है, जिसने भारत की वैश्विक मंचों पर अपनी प्रतिष्ठा का पताका लहराया है, जो रेखा अंकित करने वाली बात है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्यों कि भारत की ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक धरोहरों की समृद्धि ने वैश्विक मंच पर एक बार फिर अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की है। 17 अप्रैल को यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) ने अपने मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में भारत के दो महान ग्रंथों भगवद गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को शामिल कर भारत की शाश्वत परंपरा और सांस्कृतिक उत्कृष्टता को वैश्विक स्तर पर मान्यता दी है। यह केवल भारत के लिए नहीं बल्कि वैश्विक संस्कृति और पूरी मानवता के लिए गर्व का विषय है क्योंकि ये दोनों ग्रंथ न केवल भारतीय जीवन दृष्टिकोण के दर्पण हैं बल्कि विश्व सभ्यता को भी दिशा देने वाले दार्शनिक और कलात्मक प्रकाश स्तंभ भी हैं। इस मान्यता ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत की आध्यात्मिक , सांस्कृतिक और कलात्मक परंपराएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक और प्रभावशाली हैं, जितनी वे सहस्रों वर्ष पूर्व थी। चूँकि भगवत गीता व नाट्यशास्त्र न केवल ग्रंथ है बल्कि मानवीय जीवन के लिए प्रेरणा स्रोत भारतीय दर्शन कलात्मक व सभ्यता के स्तंभ भी हैं तथा भारत की सांस्कृतिक धरोहर को ऐतिहासिक वैश्विक सम्मान मिलना अत्यंत गौरवपूर्ण बात है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, श्रीमद् भगवत गीता व भरत मुनि के नाट्य शास्त्र को यूनेस्को ने अपने मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड रजिस्टर में शामिल किया।

साथियों बात अगर हम यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड रजिस्टर को जानने की करें तो, यह दस्तावेजी धरोहरों का अंतर्राष्ट्रीय मंच है। यूनेस्को द्वारा मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड कार्यक्रम विश्व की महत्वपूर्ण दस्तावेजी धरोहरों को संरक्षित करने, उनका डिजिटलीकरण और प्रचार- प्रसार करने और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने के उद्देश्य से 1992 में प्रारंभ किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य ऐसे ऐतिहासिक ग्रंथों, पांडुलिपियों, अभिलेखों, चित्रों, ऑडियो-विजुअल सामग्री और अन्य दस्तावेजी धरोहरों को संरक्षण प्रदान करना और इन्हें सार्वभौमिक विरासत के रूप में स्थापित करना है, जो मानव सभ्यता की स्मृति और संस्कृति को संरक्षित करते हैं। दस्तावेजों की सुरक्षा, डिजिटलीकरण और वैश्विक प्रदर्शन इस बात को सुनिश्चित करता है कि हमारी धरोहरें समय के प्रवाह में विलुप्त न हों बल्कि युगों-युगों तक प्रासंगिक बनी रहें। यूनेस्को के इस रजिस्टर में किसी दस्तावेज को शामिल किया जाना उसकी वैश्विक मान्यता और कालातीत महत्व का प्रमाण होता हैयूनेस्को की अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समिति और कार्यकारी बोर्ड द्वारा चयन की गई प्रविष्टियां न केवल संबंधित देशों की धरोहर को मान्यता देती हैं बल्कि शोध, शिक्षा और सांस्कृतिक संवाद को भी बढ़ावा देती हैं।मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड में भारत की 14 प्रविष्टियां व 2025 में यूनेस्को की दस्तावेजी धरोहरों की नई सूची में कुल 74 नए संग्रहों को स्थान दिया गया है, जिससे अब तक इस रजिस्टर में शामिल अभिलेखों की संख्या बढ़कर 570 हो गई है, जो 72 देशों और चार अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से संबंधित हैं। इस वर्ष की प्रविष्टियों में वैज्ञानिक क्रांति, 'इतिहास में महिलाओं का योगदान' और 'बहुपक्षवाद' जैसे विषयों की झलक मिलती है, जिससे स्पष्ट होता है कि यूनेस्को का उद्देश्य केवल दस्तावेजों का संरक्षण ही नहीं बल्कि मानवता के सांझा मूल्यों और इतिहास की रक्षा भी है।गीता और नाट्यशास्त्र के शामिल होने के साथ अब भारत की कुल 14 प्रविष्टियां 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड' रजिस्टर में हो चुकी हैं, जिससे प्रमाणित होता है कि भारत अपने दस्तावेजी धरोहरों के संरक्षण और उन्हें विश्व मंच पर प्रस्तुत करने के प्रति प्रतिबद्ध है। इससे पहले ताम्रपत्र,ऋग्वेद,तुलसीदास की रामचरितमानस, पंचतंत्र और अष्टाध्यायी जैसी महत्वपूर्ण कृतियों को भी इसमें स्थान मिल चुका है। भारत के लिए यह न केवल सांस्कृतिक प्रतिष्ठा का विषय है बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए चेतना-संवर्धन का माध्यम भी है।

गुरु अर्जन देव

गुरु अर्जन दस कुल सिख गुरुओं में से पाँचवें थे। उन्होंने आदि ग्रंथ नामक सिख धर्मग्रंथ का पहला आधिकारिक संस्करण संकलित किया, जो बाद में गुरु ग्रंथ साहिब में विस्तारित हुआ। उन्हें सिख धर्म में शहीद हुए दो गुरुओं में से पहला माना जाता है ।

गुरु अर्जन देव का जन्म पंजाब के गोइंदवाल में हुआ था । वे भाई जेठा (जो बाद में गुरु राम दास बने) के सबसे छोटे पुत्र थे और माता भानी देव गुरु अमर दास की पुत्री थीं । उन्होंने अमृतसर में दरबार साहिब का निर्माण पूरा किया , जब चौथे सिख गुरु ने शहर की स्थापना की और एक सरोवर का निर्माण किया। अर्जन देव ने पिछले गुरुओं और अन्य संतों के भजनों को सिख धर्मग्रंथ के पहले संस्करण आदि ग्रंथ में संकलित किया और इसे हरिमंदिर साहिब में स्थापित किया।

गुरु अर्जन ने गुरु रामदास द्वारा शुरू की गई मसंद प्रणाली को पुनर्गठित किया , जिसमें उन्होंने सुझाव दिया कि सिखों को, यदि संभव हो तो, अपनी आय, माल या सेवा का दसवां हिस्सा सिख संगठन (दासवंध) को दान करना चाहिए। मसंद न केवल इन निधियों को एकत्र करते थे, बल्कि सिख धर्म के सिद्धांतों को भी सिखाते थे और अपने क्षेत्र में नागरिक विवादों का निपटारा करते थे। दासवंद ने गुरुद्वारों और लंगरों (साझा सांप्रदायिक रसोई) के निर्माण को वित्तपोषित किया ।

गुरु अर्जन देव को मुग़ल सम्राट जहाँगीर के आदेश पर खुसरो मिर्ज़ा के नेतृत्व में विद्रोह का समर्थन करने के आरोप में गिरफ़्तार किया गया था । उन्हें खुद को इस्लाम में परिवर्तित करने के लिए कहा गया। उन्होंने इनकार कर दिया और परिणामस्वरूप, 1606 ई. में उन्हें यातना दी गई और मार दिया गया। ऐतिहासिक अभिलेखों और सिख परंपरा से यह स्पष्ट नहीं होता है कि अर्जन देव को डूबकर मारा गया था या यातना के दौरान उनकी मृत्यु हुई थी। सिख परंपरा कहती है कि गुरु की फांसी मुग़ल साम्राज्य के तहत सिखों पर चल रहे उत्पीड़न का एक हिस्सा थी । उनकी शहादत को सिख धर्म के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना माना जाता है। 2003 में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति द्वारा जारी नानकशाही कैलेंडर के अनुसार इसे मई या जून में गुरु अर्जन के शहीदी दिवस के रूप में याद किया जाता है।

जीवनी

गुरु अर्जन देव का जन्म गोइंदवाल में बीबी भानी और जेठा सोढ़ी के घर हुआ था। बीबी भानी गुरु अमर दास की बेटी थीं और उनके पति जेठा सोढ़ी बाद में गुरु राम दास के नाम से जाने गए । अर्जन देव का जन्मस्थान अब गुरुद्वारा चौबारा साहिब के रूप में स्मारक है। उनके दो भाई थे- पृथी चंद और महादेव। विभिन्न सिख इतिहासकार उनके जन्म वर्ष को 1553 या 1563 बताते हैं, बाद वाले को विद्वानों की आम सहमति से वास्तविक जन्म वर्ष के रूप में स्वीकार किया जाता है और 15 अप्रैल को स्वीकृत जन्म तिथि के रूप में स्वीकार किया जाता है।

गुरु अर्जन ने अपने जीवन के पहले 11 साल गोइंदवाल में और अगले सात साल अपने पिता के साथ रामदासपुर में बिताए। सिख परंपरा के अनुसार, अपने पिता द्वारा अपने चचेरे भाई साहरी मल के बेटे की शादी में शामिल होने और सिख मण्डली की स्थापना करने के लिए भेजे जाने के बाद वे अपनी युवावस्था के दौरान दो साल तक लाहौर में रहे थे। उन्हें अपने पिता की मृत्यु के बाद 1581 में सिख गुरु के रूप में नियुक्त किया गया था। गुरु राम दास सोढ़ी उपजाति के खत्री थे। अर्जन के उत्तराधिकार के साथ, गुरु पद गुरु राम दास के सोढ़ी परिवार में रहा।

शादियां

इतिहासकारों के अनुसार, गुरु अर्जन ने दो बार विवाह किया था। उनकी पहली पत्नी माता राम देई थीं, जिनसे उन्होंने 20 जून 1579 को विवाह किया था। उनकी दूसरी पत्नी माता गंगा थीं, उनका विवाह 19 मई 1589 को हुआ था। [28] लोकप्रिय सिख परंपरा उनकी पहली पत्नी को छोड़ देती है और दावा करती है कि उनका विवाह केवल गंगा से हुआ था।

गुरु के रूप में उत्तराधिकार और समय

गुरु रामदास ने अपने सबसे छोटे भाई अर्जन को पाँचवें सिख गुरु के रूप में अपना उत्तराधिकारी चुना। मझले भाई महादेव ने तपस्वी का जीवन चुना । गुरु अर्जन को उत्तराधिकारी के रूप में चुनने से, जैसा कि सिख गुरु उत्तराधिकार के इतिहास में होता आया है, सिखों के बीच विवाद और आंतरिक विभाजन पैदा हो गए।

गुरु अर्जन के उत्तराधिकार विवाद ने एक फूट पैदा कर दी जिससे दोनों गुटों के लिए अलग-अलग कथाएँ सामने आई। रूढ़िवादी सिख परंपरा में, प्रिथी चंद को गुरु अर्जन का कड़ा विरोध करने वाले के रूप में याद किया जाता है, जिसने सिख समुदाय के एक गुटीय पंथ का निर्माण किया। अर्जन का अनुसरण करने वाले सिखों ने अलग हुए गुट को मीनास (शाब्दिक रूप से, बदमाश) कहा। प्रिथी चंद और उनके अनुयायियों ने युवा हरगोबिंद की हत्या का तीन बार प्रयास किया। प्रिथी चंद ने मुगल एजेंटों से भी दोस्ती की। दूसरी ओर, मीनाओं द्वारा लिखे गए बाद के लिखित प्रतिस्पर्धी ग्रंथों ने हरगोबिंद की हत्या के प्रयास के लिए एक अलग व्याख्या पेश की और उन्हें अपने छोटे भाई अर्जन के प्रति समर्पित के रूप में प्रस्तुत किया। प्रिथी चंद के सबसे बड़े बेटे , मिहरवन का उल्लेख दोनों परंपराओं में एक बच्चे के रूप में प्रिथी चंद और अर्जन दोनों से संरक्षण प्राप्त करने के रूप में किया गया है।

प्रतिस्पर्धी ग्रंथ असहमतियों को स्वीकार करते हैं। वे कहते हैं कि प्रिथी चंद ने अमृतसर छोड़ दिया, गुरु अर्जन की शहादत के बाद साहिब गुरु बने और उन्होंने अगले गुरु के रूप में हरगोबिंद के उत्तराधिकार को विवादित किया। प्रिथी चंद के अनुयायी खुद को गुरु नानक के सच्चे अनुयायी मानते थे क्योंकि उन्होंने अहिंसक आंतरिककरण के पक्ष में अर्जन की शहादत के मद्देनजर मुगल उत्पीड़न का विरोध करने के लिए हरगोबिंद के तहत पंथ के सैन्यीकरण पर बढ़ते जोर को खारिज कर दिया था। प्रिथी चंद के अलावा, गुरु अमर दास के एक बेटे बाबा मोहन ने भी अर्जन के अधिकार को चुनौती दी थी। इन चुनौतीपूर्ण दावों को शुरुआती सिख संप्रदायों द्वारा सिख भजनों की पांडुलिपियों के माध्यम से जोर दिया गया था। बाबा मोहन के पास गोइंदवाल विद्वानों का कहना है कि इसी वजह से गुरु अर्जन देव ने आदि ग्रंथ का एक बहुत बड़ा, आधिकारिक संस्करण तैयार किया ।

गुरबिलास के अनुसार आदि ग्रंथ के प्रथम प्रकाश पर गुरु अर्जन ने कहा, तुम सब मेरे निर्देश को सुनो। और इसे हमेशा सत्य मानो।

ग्रंथ को गुरु के बराबर मानो। और दोनों के बीच कोई भेद मत समझो।

मुख्यधारा की सिख परंपरा ने गुरु अर्जन को पाँचवें गुरु और हरगोबिंद को छठे गुरु के रूप में मान्यता दी। अर्जन, 18 वर्ष की आयु में, अपने पिता से उपाधि प्राप्त करके 1581 में पाँचवें गुरु बने। मुगल साम्राज्य के मुस्लिम अधिकारियों द्वारा उनके वध के बाद , उनके बेटे हरगोबिंद 1606 ई. में छठे गुरु बने।

कार्यान्वयन

अर्जन की मृत्यु मुगल हिरासत में हुई; यह सिख इतिहास में निर्णायक, यद्यपि विवादास्पद, मुद्दों में से एक रहा है। अधिकांश मुगल इतिहासकारों ने गुरु अर्जन देव की फांसी को एक राजनीतिक घटना माना, और कहा कि सिख एक सामाजिक समूह के रूप में दुर्जेय हो गए थे, और सिख गुरु पंजाबी राजनीतिक संघर्षों में सक्रिय रूप से शामिल हो गए थे।

18 के शेयर वाले बैंक को बंपर मुनाफा, अब सोमवार की ट्रेडिंग पर रहेगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्राइवेट सेक्टर के यस बैंक ने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में बैंक का मुनाफा 738.12 करोड़ रुपये था। यह पिछले साल की इसी तिमाही में 451.9 करोड़ रुपये की तुलना में 63.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दिखाता है। तिमाही के दौरान कुल आय बढ़कर 9355 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की इसी अवधि में 9015 करोड़ रुपये से थोड़ी अधिक है।

कैसी रही बैंक की ब्याज आय- बैंक की ब्याज आय 7616.1 करोड़ रुपये रही जबकि एक साल पहले यह 7447.2 करोड़ रुपये थी। बैंक के अन्य आय में भी वृद्धि देखी गई, जो साल-दर-साल 1,568.6 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,739.3 करोड़ रुपये हो गई। पूरे वित्तीय वर्ष वित्त वर्ष 2025 के लिए बैंक ने 24,058.6 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हासिल किया, जो वित्त वर्ष 2024 में दर्ज 12,510.8 करोड़ रुपये से काफी अधिक है।

परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, यस बैंक ने 3,935.6 करोड़ रुपये की ग्रॉस एनपीए की सूचना दी। बैंक नेट एनपीए 800 करोड़ रुपये रहा। वहीं, नेट एनपीए रेश्यो साल-दर-साल 0.6 प्रतिशत से सुधरकर 0.3 प्रतिशत हो गया।

शेयर का परफॉर्मेंस- यस बैंक के शेयर की बात करें तो बीते गुरुवार को 1.23% बढ़कर 18.09 रुपये पर बंद हुआ। शेयर बाजार शुक्रवार को बंद था। ऐसे में अब निवेशकों की नजर सोमवार के कारोबार पर होगी। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 28.50 रुपये है। यह भाव अप्रैल 2024 में था। वहीं, मार्च 2025 में शेयर की कीमत 16.02 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। यस बैंक के शेयरों के आउटलुक पर बात करते हुए लक्ष्मीश्री इन्वेस्टमेंट एंड सिक्योरिटीज के रिसर्च हेड अंशुल जैन ने कहा- लंबे समय से यह शेयर 16 से 18 के बीच एक सीमित दायरे में है। शेयर की कीमत 21 रुपये के स्तर तक जा सकती है।

इस दिग्गज शेयर पर बिगड़ा ब्रोकरेज का मूड, निवेशकों में बेचने की होड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की दिग्गज आईटी कंपनी विप्रो लिमिटेड के शेयर को एक्सपर्ट सतर्क नजर आ रहे हैं। घरेलू ब्रोकरेज नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने विप्रो के शेयरों को डाउनग्रेड करके होल्ड कर दिया है। ब्रोकरेज ने विप्रो के शेयरों पर अपने टारगेट प्राइस को पहले के 300 रुपये से घटाकर 260 रुपये कर दिया। इसी के साथ च्वाइस ब्रोकिंग ने विप्रो पर अपनी रेटिंग को घटाकर कम कर दिया और लक्ष्य मूल्य को घटाकर 252 रुपये कर दिया। जापान स्थित नोमुरा होल्डिंग्स ने विप्रो के शेयरों पर अपने टारगेट प्राइस को 300 रुपये से घटाकर 280 रुपये कर दिया। हालांकि, इसने विप्रो के शेयरों पर अपनी खरीद कॉल को बनाए रखा। अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज बर्नस्टीन ने शेयर के लिए अपनी अंडरपरफॉर्म रेटिंग को बरकरार रखा है। वहीं, टारगेट प्राइस 200 रुपये प्रति शेयर रखा। बता दें कि बीते गुरुवार को शेयर 4.28त्न टूटकर 236.90 रुपये पर बंद हुआ। वहीं, शुक्रवार को गुड फ्राइडे की वजह से शेयर बाजार बंद था। अब सोमवार को शेयर पर नजर रहेगी। बीते वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान विप्रो का मुनाफा 25.9 प्रतिशत बढ़कर 3,569.6 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 2,834.6 करोड़ रुपये रहा था।

मुकेश अंबानी की यह कंपनी पहली बार दे रही है डिविडेंड, सामने आया एक्सपर्ट्स का टारगेट प्राइस

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुकेश अंबानी की कंपनी जियो फाइनेंशियल ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। कंपनी के लिए मार्च तिमाही में मिला-जुला प्रदर्शन देखने को मिला है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के असेट अंडर मैनेजमेंट में तेज इजाफा देखने को मिला है। अब सवाल है कि क्या इस स्टॉक पर दांव लगाना सही रहेगा या नहीं?

क्या सोच रहे हैं एक्सपर्ट्स- एक्सपर्ट्स के अनुसार जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में सोमवार को हलचल देखने को मिल सकता है। कंपनी के शेयरों कीमतों में किसी भी प्रकार की गिरावट निवेशकों के लिए दांव लगाने का अच्छा मौका रहेगा। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर लॉन्ग टर्म में 350 रुपये के लेवल पर जा सकता है।

खबरों में है कंपनी- जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के तिमाही नतीजों पर एसएस वेल्थस्ट्रीट के फाउंडर सुगंधा सचदेव कहते हैं, रिलायंस इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के सालाना और मार्च तिमाही में मिला-जुला असर देखने को मिला था। हालांकि, कंपनी के एसेट मैनेजमेंट में इजाफा और डिविडेंड का ऐलान पॉजिटिव अपडेट रहा है।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का नेट प्रॉफिट मार्च तिमाही में 316 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का नेट प्रॉफिट 316 करोड़ रुपये रहा था। वहीं, पिछले वित्त वर्ष में कंपनी को 1613 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का प्रॉफिट 1605 करोड़ रुपये हुआ था। कंपनी एयूएम 10,053 करोड़ रुपये हो गया है। एक साल पहले महज 173 करोड़ रुपये हुआ था।

इस कंपनी ने डिविडेंड का भी ऐलान किया है। कंपनी की तरफ से पहली बार डिविडेंड दिया जाएगा। योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 0.50 रुपये का डिविडेंड मिलेगा।

अगले हफ्ते 2 कंपनियों के शेयरों का हो रहा है बंटवारा, एक की कीमत 50 से कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले हफ्ते 2 कंपनियों के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। ये दो कंपनियां अमि ऑर्गेनिक लिमिटेड है। वहीं, दूसरी कंपनी Ranjeet Mechatronics Ltd है। दोनों कंपनियों के शेयरों का बंटवारा 2 हिस्सों में किया जा रहा है। आइए डीटेल्स में जानते हैं इन दोनों कंपनियों के विषय में -

कंपनी के 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 2 हिस्सों में बांटने का फैसला किया गया है। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 5 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। शेयरों के बंटवारे के लिए रिकॉर्ड डेट 25 अप्रैल की तारीख तय की गई है।

गुरुवार को Ami Organics Ltd के शेयर बीएसई में बाजार के बंद होने के समय पर 2323.60 रुपये था। पिछले 3 महीने के दौरान कंपनी ने शेयर बाजार में करीब 16 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, 6 महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 45 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है। एक साल में इस स्टॉक का भाव 89 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें, यह कंपनी पिछले साल सितंबर के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर पर 3 रुपये का डिविडेंड योग्य निवेशकों को दिया था।

सेविंग अकाउंट में जमा पैसे पर झटका, इन बड़े बैंकों ने ब्याज दर में की कटौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर बैंक के सेविंग अकाउंट में पैसे रखकर ब्याज कमाते हैं तो ये खबर आपको निराश कर सकती है। दरअसल, भारत के कई बड़े बैंकों ने सेविंग अकाउंट की ब्याज दरों में बड़ी कटौती की है। इसका मतलब है कि सेविंग अकाउंट में जमा पैसे पर अब पहले के मुकाबले कम मुनाफा मिलेगा।

किस बैंक ने की कितनी कटौती- हाल के हफ्तों में HDFC बैंक, ICICI बैंक, एक्सिस बैंक और फेडरल बैंक ने 50 लाख रुपये से कम रकम के लिए अपनी सेविंग अकाउंट ब्याज दरों को 25 आधार अंकों से घटाकर 2.75% कर दिया है। पहले ब्याज दर 3 फीसदी थी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अक्टूबर 2022 से ही 10 करोड़ से कम रकम पर 2.7% ब्याज की पेशकश कर रहा है। इनमें से कुछ बैंकों ने सावधि जमा दरों में भी 25 आधार अंकों तक की कटौती की है।

ICICI बैंक ग्राहकों के लिए- बैंक ने अपनी सेविंग अकाउंट जमा ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है। बैंक के जमाकर्ताओं को 50 लाख रुपये तक के बचत बैंक शेष पर 2.75 प्रतिशत ब्याज मिलेगा, जो एचडीएफसी बैंक की पेशकश के समान है। 50 लाख रुपये से अधिक के शेष के लिए यह 3.25 प्रतिशत होगी।

बैंक ने सेविंग अकाउंट की ब्याज दर में बदलाव किया है। ये बदलाव 12 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होंगे। इसके तहत 50 लाख रुपये से कम रकम के लिए ब्याज दर को 3.00त्न प्रति वर्ष से घटाकर 2.75त्न प्रति वर्ष कर दिया गया है। 50 लाख रुपये और उससे अधिक की रकम के लिए ब्याज दर अब 3.25त्न प्रति वर्ष है, जबकि पहले दर 3.50% प्रति वर्ष थी।

बैंक ने अपनी एफडी ब्याज दरों में 50 आधार अंकों (बीपीएस) तक की कटौती की घोषणा की है।

1 शेयर पर 117 डिविडेंड दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट में अब ज्यादा समय नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनोफी इंडिया लिमिटेड एक बार फिर से निवेशकों को डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी ने कहा है कि एक शेयर पर 117 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। डिविडेंड के लिए तय की गई रिकॉर्ड डेट में अब ज्यादा समय नहीं बचा है।

25 अप्रैल को रिकॉर्ड डेट - शेयर बाजारों को दी जानकारी में Sanofi India Ltd ने कहा है कि हर एक योग्य निवेशक को एक शेयर पर 117 रुपये का डिविडेंड देना चाहिए। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 25 अप्रैल की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी जिन निवेशकों को नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में इस दिन रहेगा उन्हें डिविडेंड का लाभ मिलेगा। कंपनी 25 से अधिक बार निवेशकों को डिविडेंड दे चुकी है। पहली बार कंपनी ने 2001 में निवेशकों को डिविडेंड दे दिया था। तब कंपनी की तरफ से एक शेयर पर 4 रुपये का डिविडेंड दिया गया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

रात में भी मिल सकेगी पीएमश्री एयर एंबुलेंस की सुविधा, दो इंजन वाले हेलीकॉप्टर का होगा उपयोग

भोपाल। राज्य सरकार की पीएमश्री एयर एंबुलेंस सेवा में एक बड़ी सुविधा जुड़ने जा रही है। इसमें रोगियों को उपचार के लिए रात में भी बड़े अस्पताल में पहुंचाया जा सकेगा। इसके लिए दो इंजन वाले हेलीकाप्टर का उपयोग किया जाएगा, जो रात में भी उड़ सकेंगे। इस सुविधा के लिए सेवा देने वाली कंपनी और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के बीच सहमति बन चुकी है। टेंडर प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है।लगभग दो माह माह में सेवा प्रारंभ होने के आसार हैं। लगभग एक वर्ष में 60 लोगों को यह सुविधा मिली है, जिनमें 80 प्रतिशत आयुष्मान कार्डधारी हैं, जिन्हें निश्शुल्क सेवा मिली।

आयुष्मान हितग्राहियों के अतिरिक्त अन्य लोग भी निर्धारित शुल्क देकर रात में इस सुविधा का लाभ ले सकेंगे।

अभी गैर आयुष्मान हितग्राहियों को यह सुविधा लगभग दो लाख रुपये प्रति घंटे के हिसाब से मिल रही है।

रात में हेलीकाप्टर सेवा के दरें अभी निर्धारित नहीं हुई हैं, पर पुरानी दरों की

तुलना में इसमें थोड़ा-बहुत अंतर ही हो सकता है।

आयुष्मान हितग्राहियों के लिए इसकी सुविधा निर्धारित 80 प्रकार ही आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मिल रही है। इसमें रोगी के लिए 50 लाख का दुर्घटना बीमा का प्रविधान भी है।

ऐसी मिलती है सुविधा

संभाग के अंदर रोगी के निशुल्क परिवहन के लिए जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की अनुशंसा पर जिला कलेक्टर संभाग के अंदर स्वीकृति प्रदान करते हैं।

संभाग के बाहर जाने की स्वीकृति स्वास्थ्य आयुक्त देते हैं।

मेडिकल कालेज में भर्ती गंभीर रोगी को संभाग के बाहर एंबुलेंस की स्वीकृति डीन की अनुशंसा पर संभाग आयुक्त और राज्य के बाहर के लिए संचालक चिकित्सा शिक्षा देते हैं।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा

प्रत्येक जीवन अमूल्य है और हर जीवन की रक्षा के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।कहां मिलेगी सुविधामध्य प्रदेश के छोटे शहरों में गंभीर बीमारी से पीड़ितों को आपातकालीन परिस्थिति में बड़े शहरों के अस्पताल तक पहुंचाने के लिए एयर एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध होगी।मप्र में इस सेवा का नाम बदलकर पीएम एयर एंबुलेंस सेवा किया गया है। देश के अन्य राज्यों में स्थित अस्पतालों के लिए भी एयर एम्बुलेंस चलाई जाएगी।

किसको मिलेगी एयर एम्बुलेंस की सुविधा

अभी तक एयर एम्बुलेंस का उपयोग आर्थिक रुप से संपन्न लोग ही कर पाते हैं। सरकार प्रोजेक्ट में सफल हुई तो सरकारी कर्मचारियों को एवं आम लोगों के लिए भी एयर एम्बुलेंस का उपयोग किया जाएगा।कब मिलेगी एयर एम्बुलेंस की सुविधा

सड़कों और औद्योगिक स्थलों पर होने वाले हादसों, हृदय रोगी अथवा जहर से प्रभावित एवं अन्य गंभीर बीमारी जिसमें तत्काल इलाज की आवश्यकता हो ऐसे मरीजों अच्छे चिकित्सा संस्थानों में समय पर इलाज के लिए ये सुविधा मिलेगी। अस्पताल द्वारा मरीज की स्थिति की गंभीरता की जांच के उपरांत एयर एम्बुलेंस की सुविधा मिलेगी।एयर एम्बुलेंस में क्या-क्या सुविधा होगीएयर एम्बुलेंस सेवा में हृदय रोग, नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य समस्याएं, उच्च जोखिम वाले गर्भधारण, श्वास और तंत्रिका संबंधी बीमारियों तथा आपदाओं की स्थिति को संभालने के लिए होगी प्रशिक्षित एवं सुसज्जित टीमें।कब मिलेगी एयर एम्बुलेंस की सुविधा

सड़कों और औद्योगिक स्थलों पर होने वाले हादसों, हृदय रोगी अथवा जहर से प्रभावित एवं अन्य गंभीर बीमारी जिसमें तत्काल इलाज की आवश्यकता हो ऐसे मरीजों अच्छे चिकित्सा संस्थानों में समय पर इलाज के लिए ये सुविधा मिलेगी। अस्पताल द्वारा मरीज की स्थिति की गंभीरता की जांच के उपरांत एयर एम्बुलेंस की सुविधा मिलेगी।एयर एम्बुलेंस में क्या-क्या सुविधा होगी

एयर एम्बुलेंस सेवा में हृदय रोग, नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य समस्याएं, उच्च जोखिम वाले गर्भधारण, श्वास और तंत्रिका संबंधी बीमारियों तथा आपदाओं की स्थिति को संभालने के लिए होगी प्रशिक्षित एवं सुसज्जित टीमें।

शादी में रस मलाई खाने के बाद 125 लोगों की सेहत बिगड़ी, स्कूल को बनाया अस्थायी अस्पताल

मंदसौर । जिले के ग्राम फतेहगढ़ में शादी समारोह में भोजन के बाद लगभग 125 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। मंदसौर जिला अस्पताल से पहुंची टीम ने गांव के शासकीय स्कूल को ही अस्पताल बनाकर लोगों का उपचार किया।

दोपहर तक लोगों की हालत में सुधार होने लगा था। बताया जा रहा है कि रस मलाई मिठाई खाने वाले लोग बीमार हुए हैं। इधर पहले विधायक विपिन जैन व बाद में सांसद सुधीर गुप्ता भी गांव में पहुंचे। सांसद गुप्ता ने सीएमएचओ के मौके पर नहीं पहुंचने पर नाराजगी भी जताई। 2 घंटे के इलाज में सुधरी हालत

जानकारी के अनुसार शनिवार को सुबह ग्राम फतेहगढ़ में एक शादी समारोह में भोजन का कार्यक्रम हुआ। यहां भोजन के बाद महिलाओं, पुरुषों व बच्चों को जी घबराने, मितली आने, उल्टी दस्त की शिकायत होने लगी।

तत्काल गांव में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं से उपचार की कोशिश के बाद विधायक विपिन जैन की सूचना पर जिला अस्पताल से टीम पहुंची। फतेहगढ़ गांव के स्कूल को अस्थायी अस्पताल बनाया गया।

लगभग दो घंटे उपचार के बाद अधिकांश लोग ठीक होने लगे। ग्राम फतेहगढ़ पहुंचे सांसद सुधीर गुप्ता ने भी मरीजों से मुलाकात की। सीएमएचओ और उनके उच्च स्टाफ के नहीं पहुंचने पर नाराजगी जताते हुए तत्काल मेडिकल सुविधा बढ़ाने को कहा।

आईआईटी जेईई मेंस में MP के बुरहानपुर के माजिद ने किया प्रदेश में टॉप, ऑल इंडिया 30 वीं रैंक

बुरहानपुर। आईआईटी जेईई मेंस 2025 के परीक्षा परिणाम शनिवार को घोषित किए गए हैं। इसमें बुरहानपुर के विद्यार्थी माजिद हुसैन ने आल इंडिया रैंकिंग में 30वां स्थान हासिल किया है। साथ ही वे मप्र के टॉपर बन गए हैं। इस परीक्षा में माजिद ने 99.9992 परसेंटाइल हासिल किए हैं। उनकी इस सफलता पर एकेडमी के डायरेक्टर आनंद चौकसे व शिक्षकों ने फूल माला पहना कर स्वागत किया। माजिद मूलतः पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के जलगांव जिले के रहने वाले हैं। काफी समय से बुरहानपुर में रह कर परीक्षा की तैयारी कर रहे थे।माजिद ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत, माता-पिता के सहयोग और एकेडमी के बेहतर मार्गदर्शन को दिया है।

उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा है। माता-पिता और एकेडमी के प्रोत्साहन के कारण ही आज इस मुकाम तक

पहुंचे हैं।

माजिद ने एनएसईसी, आईएनपीएचओ, आईओक्यूएम, एनएसईपी, आईएनएमओ की अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में भी प्रथम स्थान हासिल किया है।माजिद ने बताया कि उनका अगला लक्ष्य आईआईटी जेईई एडवांस्ड में भी देशभर में टॉप करना है।इन्होंने भी पाया बेहतर स्थान माजिद के साथ ही एकेडमी के शुभ जैन ने 99.88, साजिद हुसैन 99.84, संमित महाजन 99.82, आयुशी साहू 99.74, गौरव अडवानी 99.66, अदम्य पाटीदार 99.60, स्वर्णिम राठौर 99.58, मकरंद सरखाने 99.53, कृष यादव 99.51, दिव्यांश तिवारी 99.50, हर्ष रावत 99.48, आदि कुमार जैन 99.47, आरूश साहू 99.34, अर्पित पटेल 99.31, कृष्णम पाटिल 99.14, ऋतुराज सिंह चौहान 99.05 अजय धोते ने भी 99.05 परसेंटाइल हासिल किया है।

सागर में दो पक्षों के बीच विवाद...दुकान में लगाई आग

सागर । मध्य प्रदेश के सागर शहर से लगे सनौधा गांव में एक लड़की को लड़का भगा कर ले गया है, जिसकी सूचना मिलने के बाद वहां तनाव की स्थिति बन गई है। शनिवार की सुबह से लड़की के स्वजन और समाज के लोग गांव में इकट्ठा हो गए और इसका विरोध करने लगे।

मौके पर थाने से एक सहायक उप

निरीक्षक और प्रधान आरक्षक मौके पर पहुंचे और उन्होंने लोगों को समझाइश दी, लेकिन आक्रोशित लोग लड़की को खोज निकालने और आरोपित और उसके स्वजन पर सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे।आस-पास के थानों से बुलाई पुलिस

लड़की को भगा ले जाने वाले लड़के की गांव में स्थित दुकान को आग लगा दी गई है। भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस को हवाई फायर भी करना पड़ा है। सूचना के बाद मौके पर सागर पुलिस अधीक्षक सहित आस-पास के थाना बल को बुलाया गया है। मौके पर फायर ब्रिगेड भी पहुंची है, जिसने लड़के की जल रही दुकान को बुझाने का प्रयास किया है। गांव में तनाव की स्थिति है। फिलहाल गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। आक्रोशित भूल को खरीदने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग भी किया है।

विधायक भी पहुंचे मौके परमौके पर नरयावली विधायक प्रदीप लारिया भी पहुंचे हैं, जहां उन्होंने आक्रोशित लोगों को समझाइए देकर शांत कराया है।

वन प्रबंधन में औपनिवेशिक सोच से मुक्त होना जरूरी : मुख्यमंत्री

वन क्षेत्र में विद्यमान जनजातीय समुदाय के आस्था स्थलों का होगा संरक्षण

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वन, आजीविका से सम्बद्ध विषय है। जनजातीय क्षेत्र में अपार वन संपदा उपलब्ध है। इसके प्रबंधन में ध्यान रखना होगा कि विकास से जनजातीय वर्ग के हित प्रभावित न हो। भारतीय जीवन पद्धति वनों पर आधारित रही है। वनों के प्रबंधन में औपनिवेशिक सोच से मुक्त होने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विरासत से विकास और प्रकृति को जोड़ते हुए प्रगति और प्रकृति में सामंजस्य स्थापित कर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया है। पेसा एक्ट इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि जीवन का आनंद समग्रता में है, और प्रकृति आधारित जीवन जीने से कई समस्याओं का समाधान स्वतः ही हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनजातीय क्षेत्रों में वन पुनर्स्थापना, जलवायु परिवर्तन और समुदाय आधारित आजीविका पर प्रशासन अकादमी में राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा केन्द्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर तथा

भगवान बिरसा मुंडा और वीरांगना रानी दुर्गावती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। प्रदेश के महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, केन्द्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उईके भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में वनों की स्थिति में सुधार और वन प्रबंधन में नवाचार के लिए के लिए वन विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वन्य जीवों के संरक्षण से इको सिस्टम बेहतर हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर चीतों का पुनर्स्थापना हो पाया है। उन्होंने किंग कोबरा सहित रैप्टाइल्स की प्रजातियों के संरक्षण के लिए भी व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता जताते हुए कहा कि इससे सर्पदंश की घटनाओं में कमी आएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन क्षेत्र में विद्यमान जनजातीय समुदाय के पूजा और आस्था स्थलों के संरक्षण के लिए उचित व्यवस्था की जाएगी। आवश्यकता होने पर केंद्र शासन से भी सहयोग प्राप्त किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश वन की दृष्टि से बहुत संपन्न है। प्रदेश में यद्यपि कोई ग्लेशियर नहीं है, किन्तु प्राकृतिक रूप से वनों से निकलने वाली जल राशि से ही प्रदेश से निकलने वाली बड़ी नदियां आकार लेती हैं। मध्यप्रदेश से निकली सोन, केन, बेतवा, नर्मदा नदियां देश के कई राज्यों में जल से जीवन पहुंचा रही हैं। बिहार, गुजरात और उत्तर प्रदेश की प्रगति में प्रदेश के वनों से निकले इस जल का महत्वपूर्ण योगदान है। इस दृष्टि से मध्यप्रदेश के वन, पूरे देश के वन हैं। इन नदियों के संरक्षण और उनके निर्मल अविरल प्रवाह को बनाए रखने के लिए मध्यप्रदेश के वनों का संरक्षण और संवर्धन महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदा समग्र के माध्यम से नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए कार्य किया जा रहा है। अन्य नदियों पर भी कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना तथा पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) लिंक परियोजना के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार माना। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से प्रदेश के बड़े क्षेत्र में पेयजल की उपलब्धता और सिंचाई सुविधा सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल जीवों के संरक्षण पर कार्य करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश ने वन्य प्राणियों के संरक्षण में विशेष पहचान बनाई है।

विश्व धरोहर दिवस पर सम्पन्न हुआ हेरिटेज वॉक

इंदौर। विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय मध्यप्रदेश द्वारा हेरिटेज वॉक तथा होलकरों का वैभव विषय पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। उप संचालक पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय पश्चिमी क्षेत्र इंदौर ने बताया कि विश्व धरोहर दिवस पर आज हेरिटेज वॉक संरक्षित स्मारक बोलिया सरकार की छत्री से राजवाड़ा तक किया गया। इस हेरिटेज वॉक में पदम् श्री भालू मोढे, इंटेक के संयोजक श्री मिलिन्द महाजन, आर्किटेक्ट श्री हिमांशु दूधवड़कर कंजर्वेशन, ज्यूपिटर हॉस्पिटल के डॉ. भालेराव, डाक टिकिट संग्राहक श्री नीमा, श्री वैष्णव विद्यापीठ की विभागाध्यक्ष डॉ. सूबेदार, कंजर्वेशनिस्ट श्री प्रवीण श्रीवास्तव तथा प्रोग्राम कॉर्डिनेटर श्री आस्तिक भारद्वाज सहित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

इसके पश्चात केन्द्रीय संग्रहालय में होलकरों के वैभव से संबंधित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ सांसद श्री शंकर लालवानी द्वारा किया गया। प्रदर्शनी होलकर राजाओं के चित्र तथा उस समय के विभिन्न स्थापत्य एवं अभिलेखों को प्रदर्शित किया गया है। उक्त प्रदर्शनी 27 अप्रैल तक दर्शकों के लिये निःशुल्क रहेगी।

शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय मोरोद में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

इंदौर। राज्य शासन के अनुसूचित जाति विकास द्वारा संचालित शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय मोरोद में वर्ष 2025-26 के लिए कक्षा 7वीं, 8वीं एवं 9वीं में रिक्त सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है। आवेदन आगामी 28 अप्रैल शाम 5 बजे तक (शासकीय अवकाश के दिवस छोड़कर) जमा होंगे।

शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय मोरोद के प्राचार्य ने बताया कि रिक्त सीटों में प्रवेश केवल अनुसूचित जाति एवं बीपीएल कार्ड धारक परिवारों के बालक-बालिकाओं को दिया जायेगा। इसके लिए पूर्व कक्षा में 60 प्रतिशत या बी ग्रेड होना, शासन द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग हेतु 90 प्रतिशत तथा सामान्य/पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जनजाति के ऐसे विद्यार्थी जो बीपीएल कार्ड धारक(गरीबी रेखा) है, उनके लिए 10 प्रतिशत सीटें आरक्षित है। विद्यालय आवासीय होने के साथ ही सीबीएससी बोर्ड में संचालित है। प्राचार्य ने बताया कि कक्षा 7 में रिक्त सीटों की कुल संख्या 19 है, जबकि कक्षा 8 में 15 सीटें तथा कक्षा 9 में कुल 12 रिक्त सीटें है। इस प्रकार कुल 46 रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जायेगा।

साझा संस्कृति मंच की ऐतिहासिक पहल

इंदौर। 4 अप्रैल 2025 को संसद में देशभर के वक्फ संशोधन विधेयक , मुसलमान वक्फ निरसन के समर्थन में सैकड़ों मुस्लिम परिवार जिसी हाट मैदान पावरग्रिड के समीप एकत्र हुए और केंद्र की नरेंद मोदी सरकार का शुक्रिया कर रहे थे, साझा संस्कृति मंच के बैनर तले हाथों में तख्तियां लिए सभी नए विधेयक के पक्ष में बड़े ही खुशनुमा माहौल में जमकर आतिशबाजी की और एक दूसरे को मिठाई खिलते नजर आए।

साझा संस्कृति मंच के अध्यक्ष सेम पावरी (पूर्व राज्य मंत्री दर्जा) ने बताया कि केंद्र सरकार ने आम मुस्लिम समुदाय के हित में नया वक्फ बोर्ड विधेयक पारित कराया है इससे मुस्लिम समाज में हर्ष है और इसी खुशी को आज समाज

का हर वर्ग बच्चे महिलाएं, बुजुर्ग और पुरुष केंद्र की नरेंद मोदी सरकार का शुक्रिया कर रहे है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबका साथ सबका विकास नारे को लेकर देश को विश्व पटल पर आगे ले जा रहे हैं। भारत के इतिहास में मुस्लिम समाज के लिए वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक जरूरतमंद और आम मुस्लिम के पक्ष में रहेगा इसमें मुस्लिम समुदाय को जो अधिकार और उनकी जरूरत की पूर्ति होगी वह भविष्य में उनके लिए विकास और उन्नति का नया रास्ता खुलेगी। इंदौर की जनता हमेशा से नवाचार के पहले पायदान पर रहती है इसी प्रकार वक्फ बोर्ड संशोधन कानून के पक्ष में इस शानदार माहौल इंदौर में देख कर मन पुलकित है, मुस्लिम समुदाय के बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक प्रधानमंत्री मोदी जी को शुक्रिया अदा कर रहे हैं यह गौरव का पल है भारत माता की जय के नारे भी लगे।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2022-23 नवाचार श्रेणी के लिए चयनित शासकीय अधिकारियों की सूची जारी

इंदौर सामान्य प्रशासन विभाग ने नवाचार श्रेणी के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2022-23 चयनित शासकीय अधिकारियों की सूची जारी की है। सूची में 6 क्षेत्रों के लिए 14 शासकीय अधिकारियों के नाम शामिल हैं। सभी चयनित शासकीय सेवकों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 1 लाख रुपये नकद और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। अधिकारियों को यह पुरस्कार अपने-अपने क्षेत्रों में किए गए नवाचार के लिए दिया जा रहा है। सम्मान समारोह का आयोजन नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में किया जाएगा।

इन 6 क्षेत्रों में किए गए नवाचार के लिए दिया जा रहा पुरस्कार- शिक्षा एवं मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य एवं पोषण, सामाजिक समावेश एवं सशक्तिकरण, अधोसंरचना, नागरिक सेवा प्रदाय-सूचना प्रौद्योगिकी एवं सुशासन, रोजगार एवं आर्थिक विकास क्षेत्रों में नवाचार के लिये पुरस्कार प्रदान किये जा रहे हैं।

इन शासकीय अधिकारियों को किया जाएगा पुरस्कृत- पुरस्कार के चयनित अधिकारियों में सुश्री शीला दाहिमा, श्री माधव प्रसाद पटेल, श्रीमती अदिति गर्ग, डॉ. इंदिरा दांगी, श्रीमती शारदा डुडवे, श्री आलोक पौराणिक, श्री चंद्रमोहन ठाकुर, डॉ. यशपाल सिंह, श्री संजय जोशी, श्री अमित तोमर, श्री ऋषव गुप्ता, श्री गणेश शंकर मिश्रा, श्री दिव्यांक सिंह और श्री प्रवीण सिंह के नाम शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने की सौजन्य भेंट

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुष्प-गुच्छ, अंग वस्त्रम और राजा भोज की प्रतिमा भेंट कर थल सेना प्रमुख श्री द्विवेदी का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जनरल द्विवेदी ने मणिपुरी शैली में निर्मित राधा कृष्ण की प्रतिकृति भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भेंट में प्रदेश में जारी विकास गतिविधियों, उद्योगों के विस्तार तथा युवाओं में कौशल उन्नयन के लिए चलाए जा रहे अभियान की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रदेश में विद्यमान सैन्य इकाईयों के प्रबंधन संबंधी विषयों पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल पी.पी. सिंह तथा मेजर जनरल सुमित उपस्थित थे।

शालाओं में 22 अप्रैल को होगा पृथ्वी दिवस का आयोजन

इंदौर। प्रदेश की सभी शालाओं में 22 अप्रैल 2025 मंगलवार के दिन पृथ्वी दिवस का आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन के संचालन के लिए संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह ने समस्त जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये हैं। विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा इको क्लब फॉर मिशन लाइफ कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की जा रही हैं। पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए विद्यालयों में इको क्लब का गठन भी किया गया है। प्रदेश में विद्यालयों में गठित इको क्लब से फ्लोरा (वनस्पति) के लिए क्यूआर कोड नामक एक शैक्षिक पहल की शुरूआत की गई है। इसका प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल का विकास करना, क्यूआर कोड निर्माण और डिजिटल जानकारी प्रदान करना है। पृथ्वी दिवस के आयोजन में विद्यालय द्वारा ''इको क्लब फॉर मिशन लाईफ'' पोर्टल पर पंजीयन किया जायेगा। विद्यालय के इको क्लब प्रभारी द्वारा विद्यार्थियो के समूह बनाएँ जाकर स्कूल परिसर एवं आस-पास के बाग बगीचों इत्यादि में उपलब्ध पेड़-पौधों का सर्वेक्षण कर सूची तैयार की जायेगी। विद्यार्थी सूची अनुसार पेड़-पौधों से संबंधित जानकारी एकत्रित कर डिजिटल डेटाबेस भी तैयार करेंगे। इसके आधार पर प्रत्येक पेड़-पौधों के लिए स्थिर (स्टेटिक) क्यूआर कोड बनायेंगे।

कानून, सपने और प्रेरणाः प्रेस्टीज लॉ मूट कोर्ट में बेनेट यूनिवर्सिटी अव्वल

इंदौर। प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च के डिपार्टमेंट ऑफ लॉ में तीन दिवसीय डॉ. एन.एन. जैन नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस जी.के. माहेश्वरी ने समापन समारोह

में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, रीडिंग, राइटिंग, डिस्कशन, थिंकिंग और निरंतर प्रयास एक लॉ स्टूडेंट का मूल मंत्र होना चाहिए। सपने देखें और उन्हें पूरा करने के लिए हर सांस समर्पित करें। उन्होंने अपनी साधारण पृष्ठभूमि से सुप्रीम कोर्ट जज तक की यात्रा का उदाहरण देकर विद्यार्थियों में जोश भरा। जस्टिस माहेश्वरी ने एक अच्छे वकील के गुण बताते हुए कहा, सम्मान से गर्वित न हों, अपमान से क्रोधित न हों और कठोर शब्दों से बचें। अच्छा जज, वकील या शिक्षक बनने से पहले अच्छा इंसान बनें।÷ हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस शांतनु केमकर ने विजेताओं को बधाई दी और निरंतर प्रयास पर जोर दिया। इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोड्यूसर एसोसिएशन की वाइस प्रेसिडेंट डॉ. भावना शाह ने कम्युनिकेशन स्किल्स की महत्ता बताई, जबकि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बगड़िया ने भाषा और प्रस्तुति को वकील की पहचान बताया।

प्रेस्टीज एजुकेशन फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. डेविस जैन ने मूट कोर्ट की समसामयिक थीम, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर जोर देते हुए कहा, AI से डरने की नहीं, बल्कि इसके लाभ उठाने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता आदित्य सांघी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। डिपार्टमेंट ऑफ लॉ के डायरेक्टर डॉ. निशांत जोशी ने बताया कि प्रतियोगिता में नोएडा की बेनेट यूनिवर्सिटी विजेता रही, जबकि भुवनेश्वर के किट कॉलेज ने रनर-अप स्थान हासिल किया।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

स्वास्थ्य अधिकार से अधिक कर्तव्य है

स्वास्थ्य नीति एवं स्वास्थ्य प्रशासन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

उज्जैन । सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय,उज्जैन द्वारा ''स्वास्थ्य नीति एवं स्वास्थ्य प्रशासन'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नईदिल्ली क्षेत्रीय शाखा मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। विश्वविद्यालय की राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन अध्ययनशाला, आईक्यूएसी प्रकोष्ठ एवं जिला खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा संयुक्त आयोजन का उद्देश्य भारत की स्वास्थ्य नीति के क्रियान्वयन में स्वास्थ्य प्रशासन की भूमिका का विश्लेषण करना एवं नवीन शिक्षा नीति 2020 के विशेष परिप्रेक्ष्य में शैक्षणिक जगत को स्वास्थ्य प्रशासन के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना था। दो सत्रों में संचालित इस संगोष्ठी में डॉ.लतिका व्यास, राजीव पाहवा, डॉ. सखा पाहवा, डॉ.मधुसूदन देशपाण्डे एवं पीएचडी शोधार्थियों ने शोध परक चर्चा की। एफएसएसएआई की भूमिका और फोर्टीफाइड खाद्य पदार्थों के महत्व पर प्रकाश डाला। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री बसंत दत्त शर्मा द्वारा असंक्रामक रोग जैसे डायबिटीज, हृदय रोग आदि की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य नीति अंतर्गत खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी।

संगोष्ठी में उपस्थित स्वास्थ्य विशेषज्ञ, प्रशासनिक अधिकारी, विश्वविद्यालय शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों द्वारा सहमति बनी की प्रत्येक नागरिक में अपने स्वास्थ्य संबंधी अधिकारों से ज्यादा स्वस्थ्य रहने के कर्तव्य का बोध होना चाहिए, भारतीय ज्ञान परम्परा अनुसार वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों से परिचित होना और उनका उपयोग करना चाहिए, पांच कोशीय स्वास्थ्य पर काम करना चाहिए, भारत सरकार के श्री अन्न योजना अनुसार मिलेट्स को भोजन में शामिल करना चाहिए, अपने शरीर की प्रकृति को समझते हुए पोषक आहार विशेषज्ञ अनुसार भोजन करना चाहि।

संगोष्ठी में म.प्र. शासन में पूर्व मुख्य सचिव श्री के के सेठी, पूर्व पुलिस महानिदेशक श्री अरूण गुर्टू, पूर्व पुलिस महानिदेशक श्री जे पी दुबे, पूर्व उप पुलिस अधीक्षक श्री जी जी पाण्डेय, प्रोफेसर श्रीमती नीता देश पाण्डे, प्रोफेसर श्रीमती उमा शर्मा, प्रो श्री डी डी बेदिया, डॉ नलिन सिंह पंवार, डॉ कनिया मेडा, डॉ वीरेन्द्र चावरे उपस्थित थे। संगोष्ठी समन्वयक डॉ मेद्या पाण्डेय द्वारा संचालन किया गया।

बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की माँग

विश्व हिंदू परिषद ने सौपा महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

उज्जैन। पश्चिम बंगाल मे हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ़ विश्व हिंदू परिषद उज्जैन महानगर ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपते हुए पश्चिम बंगाल सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लागू किये जाने की मांग की साथ ही मांग की कि मुर्शिदाबाद में हुई सांप्रदायिक हिंसा की जांच एनआईए से करवाई जाए। हिंसा में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। बंगाल में रहने वाले हिन्दू समाज की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

विहिप जिलामंत्री अंकित चौबे ने ज्ञापन वाचन में बताया कि वक्फ कानून के विरोध की आड़ में संपूर्ण बंगाल को जिस प्रकार हिंसा की आग में जलाया जा रहा है, हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है, राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी तत्वों को निर्बाध रूप से अपने षडयंत्रों को क्रियान्वित करने की खुली छूट दी जा रही है, उससे स्पष्ट लगता है कि बंगाल की स्थिति अत्यधिक चिंताजनक है। मुर्शिदाबाद से प्रारम्भ हुई यह भीषण हिंसा अब संपूर्ण बंगाल में फैलती हुई दिखाई दे रही है। शासकीय तंत्र दंगाइयों के सामने केवल निष्क्रिय ही नहीं अपितु कई स्थानों पर इनका सहायक या प्रेरक बन गया है। विश्व हिंदू परिषद प्रांत सहमंत्री महेश आंजना द्वारा बताया गया कि पीड़ित हिंदू परिवार की पीड़ा विहिप बजरंग दल की भी पीड़ा है यदि विधर्मी 20 प्रतिशत है तो स्मरण रखे हिंदुओ की संख्या 80 प्रतिशत है। विहिप बजरंग दल द्वारा संपूर्ण भारतवर्ष मे महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देकर यह मांग की जाएगी कि पश्चिम बंगाल मे राष्ट्रपति शासन तत्काल प्रभाव से लागू कर संपूर्ण घटनाक्रम की जांच एनआईए द्वारा की जाए एवं बंगाल की कानूनी व्यवस्था का संचालन केंद्रीय सुरक्षा बल के हाथो मे दिया जाए। एडिशनल कलेक्टर महेंद्र कवचे को ज्ञापन सौंपने के दौरान महंत अचलनाथ महाराज, विश्व हिंदू परिषद प्रांत सह मंत्री महेश आंजना, बजरंग दल के प्रांत संयोजक नितिन पाटीदार, विभाग धर्माचार्य संपर्क प्रमुख मुकेश खंडेलवाल, जिलाध्यक्ष महेश तिवारी, जिला मंत्री अंकित चौबे, जिला उपाध्यक्ष महेश कुमावत आदि।

कृष्णा परिहार बने दहेज उन्मूलन सह समाज उत्थान स्वर्ण महासभा के संभाग अध्यक्ष

उज्जैन। दहेज उन्मूलन सह समाज उत्थान स्वर्ण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रदेव सिंह राजपूत की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह बैंस के द्वारा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कृष्णा परिहार को दहेज उन्मूलन सह समाज उत्थान स्वर्ण महासभा संभाग अध्यक्ष पद का भार सौंपा गया। राष्ट्रीय व प्रदेश के अन्य पदाधिकारी ने हर्ष व्यक्त करते हुए परिहार को बधाई एवं उनके उज्जवल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं दीं। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने बताया कि संगठन कई वर्षों से सामाजिक हित में कार्य कर रहा है इस बार युवा सोच को संभाग का नेतृत्व दिया गया है।

हस्तकला का एंपोरियम मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड भोपाल द्वारा उज्जैन में भी शुरू किया जाए

उज्जैन। विश्व कला दिवस पर पर्यटन स्थल उज्जैन में संस्था सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट कार्ड द्वारा मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड भोपाल की परियोजना महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल के अंतर्गत हस्तकला प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं द्वारा उनके द्वारा बनाए जा रहे उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। कार्ड संस्था से परियोजना समन्वयक अमृता चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदर्शनी में हस्तनिर्मित बैग, लैपटॉप कवर, फाइल फोल्डर, स्लिंगस, हैंड पर्स, साड़ी, स्टॉल, कुर्ते आदि रखे गए। इस प्रदर्शनी में महिलाओं ने मात्र 3 घंटे में 3000 से 4000 की बिक्री की। आगे भी वे इस तरह की एग्जीविशन हेतु इच्छुक है तथा वे चाहती है कि एक हस्तकला का एंपोरियम मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड भोपाल द्वारा उज्जैन में भी शुरू किया जाए जिससे वे अपने उत्पादों की बिक्री और बेहतर तरीके से कर सके। क्योंकि उज्जैन में अब निरन्तर पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है तथा 2028 में महाकुंभ को दृष्टिगत रखते हुए भी देखा जाए तो मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड भोपाल द्वारा एक हैंडिक्राफ्ट का एंपोरियम उज्जैन में भी शुरू किया जाना चाहिए इससे महिलाओं को अपने उत्पादों की बिक्री करने हेतु एक बेहतर अवसर मिल सकेगा।

भेराजी ने आकाशवाणी को लोकवाणी बना दिया- डॉ. शैलेन्द्र शर्मा

लोकगायक सुन्दरलाल मालवीय और उदित तिवारी को प्रदान किया भेराजी सम्मान

उज्जैन। भेराजी मालवा की लोक संस्कृति के संवाहक थे और मालवी बोली - भाषा के लिए अद्भुत कार्य कर पूरे मालवा और निमाड़ में छा गये थे। भेराजी का व्यक्तित्व और चरित्र जीवित किंवदंती बन गया था। भेराजी की लोकदृष्टि, देश की लोकदृष्टि रही और भेराजी ने आकाशवाणी को लोकवाणी बना दिया था।

ये विचार मालवा लोक कला एवं संस्कृति संस्थान द्वारा कालिदास अकादमी में आयोजित 38वें भेराजी सम्मान समारोह में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विक्रम विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा ने व्यक्त किये। आयोजन के सारस्वत अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार राकेश शर्मा ने कहा कि यह समय अपनी बोलियों को बचाने का समय है क्योंकि बोलियों में पीढ़ियों का विज्ञान सुरक्षित है। मालवी बोली के लिए भेराजी द्वारा किया गया कार्य धरोहर है। मुख्य अतिथि आकाशवाणी और दूरदर्शन के निदेशक ब्रह्मप्रकाश चतुर्वेदी ने कहा कि भेराजी ने मालवी और निमाड़ी बोली को सशक्त बनाते हुए आकाशवाणी को लोकप्रिय बनाया और भेराजी द्वारा कही गई मालवी और निमाड़ी जनकथाओं को आकाशवाणी आज भी प्रसारित कर रही है।

सम्मान प्रसंग के अंतर्गत ख्यात लोकगायक और माचविद सुन्दरलाल मालवीय एवं आकाशवाणी के उद्घोषक उदित तिवारी को भेराजी सम्मान से अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान पत्र का वाचन डॉ. गरिमा दवे और डॉ. अभिलाषा शर्मा ने किया। अतिथियों ने शाल, श्रीफल, सम्मान पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर श्री मालवीय और श्री तिवारी को सम्मानित किया। स्वागत भाषण संस्था के संरक्षक वरिष्ठ साहित्यकार श्रीराम दवे ने दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत रामचंद्र गांगोलिया एवं साथियों द्वारा गणेश वंदना, मालवी भजन प्रस्तुत किये गये। कलायोगिनी नृत्य संस्था की निर्देशक वीणा व्यास के निर्देशन में सामूहिक लोकनृत्य की भव्य प्रस्तुति की गई और जयवी व्यास ने एकल नृत्य से प्रशंसा पाई।

प्रारम्भ में अतिथियों ने भेराजी, समारोह के संस्थापक कैलाश वर्मा एवं सुमन वर्मा के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की। अतिथियों का स्वागत संरक्षक श्रीराम दवे, अध्यक्ष डॉ. हरीशकुमार सिंह, सचिव जयेश भेराजी, कमलेश वर्मा, देवेन्द्र वर्मा, रानी जयेश भेराजी, तृप्ति दवे, अजय नागर, रमेशचन्द्र नायक आदि ने किया। समारोह में प्रो. हरिमोहन बुधौलिया, संतोष सुपेकर, अशोक भाटी, शशांक दुबे, मुकेश जोशी, अनिल कुरेल, माया बदेका, डॉ. तारा परमार, कृष्णा वर्मा, प्रकाश देशमुख, डॉ. पल्लवी किशन, ऋतु शुक्ल, संजय शुक्ल, अनूप बोरलिया, सुगनचंद जैन, विनोद चौरसिया आदि उपस्थित थे। आकाशवाणी इंदौर द्वारा सम्मान समारोह की रिकॉर्डिंग की गई जिसका प्रसारण आकाशवाणी से किया जायेगा।

ममता बनर्जी का फूंका पुतला, पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग

उज्जैन। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में भारत रक्षा मंच ने नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन किया। साथ ही पश्चिम बंगाल में सतत हो रही हिंसा की जिम्मेदार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार को तत्काल भंग कर राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की।

शनिवार को देवासगेट चौराहे पर राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपते हुए भारत रक्षा मंच ने कहा कि वक्फ बिल के पारित होने के पश्चात से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बौखला गई है और समूचे पश्चिम बंगाल में बहुसंख्यक हिन्दुओं पर सतत अत्याचार करवा रही है महिलाओं की आबरू लुटी जा रही है हिन्दुओं के घर जलाये जा रहे है उनकी हत्याएं हो रही है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com